

8. परिवादी/सूचनाकर्ता द्वारा इतला देने में विलम्ब का कारण :- कोई नहीं।
9. चुराई हुई/लिप्त सम्पत्ति की विशिष्टियां :-.....
10. चुराई हुई/लिप्त सम्पत्तिया का कुल मूल्य ट्रेप राशि 200,000/-रु०,
11. पंचनामा /यूडी केस संख्या (अगर हो तो).....
12. विषय वस्तु प्रथम इतला रिपोर्ट

सेवामें

श्रीमान् अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक,
एसीबी जालौर

विषय :- रिश्वत लेते रंगे हाथों पकड़वाने के क्रम में।
महोदयजी,

मुझ प्रार्थी भीयाराम पुत्र श्री करनाराम जी उम्र 56 साल जाति जाट निवासी गांव कोटडा तहसील रानीवाडा जिला जालौर की अर्ज इस प्रकार है कि मैंने मेरी फर्म मैसर्स श्रवण प्लास्टिक कोटडा के नाम से ग्राम पंचायत गुन्दाऊ का टेण्डर वर्ष 2018-19 में प्राप्त कर पंचायत में नरेगा योजना के अन्तर्गत ग्रेवल सड़कों उमानिया का चौराया से गुन्दाऊ तक, गुन्दाऊ से थोरिया की ढाणी, राजपुरा रोड से गोगला तक, फुंला का कुंआ से कोटडा सरहद तक, मीरपुरा से कोटडा डामर सड़क व ग्राम गुन्दाऊ में 09 व्यक्तिगत टांका निर्माण कार्यों में सामग्री सप्लाई की थी। उपरोक्त टेण्डर मैंने ऑनलाईन पंचायत समिति सांचौर से भरा था, वर्तमान में ग्राम पंचायत गुन्दाऊ नव-सृजित पंचायत समिति सरनाऊ के अन्तर्गत आती हैं। किन्तु मेरे बिलों का भुगतान पंचायत समिति सांचौर में माह मार्च-2020 से बकाया चल रहा है। उपरोक्त कार्य पेटे करीब 41,35,000 रु. (इकतालीस लाख पैंतीस हजार रूपये) के भुगतान हेतु मैंने श्री श्रवण कुमार तत्का. ग्रामसेवक गुन्दाऊ से बिल तैयार करवाकर माह मार्च/2020 में पंचायत समिति सांचौर में लेखा शाखा में जमा करवाये थे। जिसका आज दिन तक मुझे श्री मांगीलाल विश्नोई लेखाकार व इस अवधि में पंचायत समिति सांचौर में पोस्टिंग रहे विकास अधिकारी श्री तुलसाराम पुरोहित व श्री नारायणसिंह पुरोहित ने कोई भुगतान नहीं किया है। इस हेतु मैंने श्रवण कुमार कैशियर/तत्कालीन ग्रामसेवक से कई बार सम्पर्क किया तो हाल ही में कुछ दिन पहले इन्होंने मुझे कहा कि आपके बिल अब पुराने हो गये हैं, इसलिए करीब 12.00 लाख रु. की रिश्वत देनी पड़ेगी, अन्यथा आपका भुगतान नहीं होगा। मैंने नियमानुसार ग्राम पंचायत का टैण्डर लेकर सामग्री सप्लाई कर सही-सही बिल भुगतान हेतु पेश किये हैं, मेरा नियमानुसार भुगतान प्राप्त करने हेतु मैं श्रवण कुमार कैशियर व तत्कालीन ग्रामसेवक या ऊपर के किसी अन्य अधिकारी को रिश्वत नहीं देना चाहता हूँ। मेरे व श्रवण कुमार के बीच कोई रंजिश नहीं है एवं न कोई लेनदेन बकाया है। मैं इसको रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों पकड़वाना चाहता हूँ। मेरी श्रवण कुमार से कोई दुश्मनी नहीं है एवं न ही कोई पैसे का लेन देन बकाया है। अतः श्रीमान को रिपोर्ट पेश कर अर्ज है कि उचित कानूनी कार्यवाही करावें।

इति दिनांक- 23/03/2022

एस.डी. महावीरसिंह राणावत अतिरिक्त पुलिस
अधीक्षक,

एस.डी. राजेन्द्रसिंह निरीक्षक पुलिस,
एस.डी. गवाह श्री विजयसिंह वाणिज्यिक सहायक
द्वितीय/29.03.2022

एस.डी. गवाह श्री विनोदकुमार तकनिकी सहायक/
29.03.2022

प्रार्थी

-एस.डी.- प्रार्थी भीयाराम
भीयाराम पुत्र श्री करनारामजी जाट,
उम्र 56 वर्ष निवासी गांव कोटडा
तहसील सांचौर जिला जालौर। मोबाईल
नम्बर 9672691300

कार्यवाही पुलिस

निवेदन हैं कि उपरोक्त लिखित रिपोर्ट दिनांक 23.03.2022 वक्त 4:30 पी.एम. पर प्रार्थी श्री भीयाराम पुत्र श्री करनाराम, जाति जाट, उम्र 56 वर्ष, पैशा ठेकेदारी, निवासी ग्राम कोटड़ा, तहसील रानीवाड़ा, जिला जालोर, हाल प्रोपराईटर मैसर्स श्रवण प्लास्टिक कोटड़ा, तहसील सांचोर, जिला जालोर ने ब्यूरो कार्यालय जालोर पर उपस्थित होकर डॉ. महावीरसिंह राणावत, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो, जालोर के समक्ष मय अपने आधार कार्ड की स्व-प्रमाणित प्रति के प्रस्तुत की, जिसका श्रीमान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक द्वारा अवलोकन किया जाकर परिवादी की रिपोर्ट में उल्लेखित तथ्यों के बारे में परिवादी से पूछताछ की गई तो तकरीरन दरियाफ्त पर बताया कि मैंने मेरी फर्म मैसर्स श्रवण प्लास्टिक कोटड़ा के नाम से ग्राम पंचायत गुन्दाऊ का टेण्डर वर्ष 2018-19 में प्राप्त कर पंचायत में नरेगा योजना के अन्तर्गत ग्रेवल सड़कों व टांका निर्माण कार्यों में सामग्री सप्लाई की थी। उपरोक्त टेण्डर मैंने ऑनलाईन पंचायत समिति सांचौर से भरा था, वर्तमान में ग्राम पंचायत गुन्दाऊ नव-सृजित पंचायत समिति सरनाऊ के अन्तर्गत आती हैं। किन्तु मेरे बिल पंचायत समिति सांचोर के स्तर पर पैण्डिंग हैं। उपरोक्त कार्य पेटे करीब 41,35,000 रु. (इकतालीस लाख पैंतीस हजार रुपये) के भुगतान हेतु मैंने श्री श्रवण गोयल तत्का. ग्रामसेवक गुन्दाऊ से बिल तैयार करवाकर माह मार्च/2020 में पंचायत समिति सांचौर में लेखा शाखा में जमा करवाये थे। जिसका आज दिन तक मुझे श्री मांगीलाल लेखाकार व इस दौरान पंचायत समिति सांचौर में पदस्थापित विकास अधिकारी श्री तुलसाराम पुरोहित व श्री नारायणसिंह पुरोहित ने कोई भुगतान नहीं किया है। इस हेतु मैंने श्रवण गोयल कैशियर कम तत्का. ग्रामसेवक से कई बार सम्पर्क किया तो हाल ही में कुछ दिन पहले इन्होंने मुझे कहा कि आपके बिल अब पुराने हो गये हैं, इसलिए करीब 12.00 लाख रु. की रिश्वत देनी पड़ेगी, अन्यथा आपका भुगतान नहीं होगा। मैंने नियमानुसार ग्राम पंचायत का टैण्डर लेकर सामग्री सप्लाई कर सही-सही बिल भुगतान हेतु पेश किये हैं, मेरा नियमानुसार भुगतान प्राप्त करने हेतु मैं श्रवण गोयल कैशियर कम तत्कालीन ग्रामसेवक या ऊपर के किसी अन्य अधिकारी को रिश्वत नहीं देना चाहता हूँ। मेरे व श्रवण गोयल के बीच कोई रंजिश नहीं है एवं न कोई लेनदेन बकाया है। मैं उक्त को रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों पकड़वाना चाहता हूँ। परिवादी ने रिपोर्ट स्वयं के जानकार टाईपिस्ट से ग्राम करड़ा से लिखवाकर इस पर स्वयं के हस्ताक्षर होना एवं रिपोर्ट में उल्लेखित सभी तथ्य सही होना जाहिर किया। परिवादी की उपरोक्त रिपोर्ट एवं तकरीरन दरियाफ्त से मामला लोक सेवक द्वारा वैध कार्य के लिये रिश्वत की मांग करना प्रथम दृष्टिया भ्रष्टाचार निवारण (संशोधन) अधिनियम-2018 की परिभाषा में अग्नि से अग्नि कानूनी कार्यवाही हेतु मन् राजेन्द्रसिंह निरीक्षक पुलिस को श्रीमान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ने स्वयं के कार्यालय कक्ष में तलब कर परिवादी श्री भीयाराम से मन् निरीक्षक पुलिस का परस्पर परिचय करवाकर परिवादी की रिपोर्ट सुपुर्द कर अग्नि विधिक कार्यवाही करने व प्रकरण की प्रगति से समय-समय पर अवगत कराने हेतु श्रीमान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक द्वारा निर्देशित किया गया। जिस पर मन् राजेन्द्रसिंह निरीक्षक पुलिस द्वारा परिवादी श्री भीयाराम की लिखित रिपोर्ट मय रनिंग नोट पैरा का अवलोकन कर इस संबध में परिवादी से आवश्यक पूछताछ करने पर परिवादी की रिपोर्ट एवं तकरीरन दरियाफ्त से मामला प्रथम दृष्टिया भ्रष्टाचार निवारण (संशोधन) अधिनियम-2018 की परिभाषा में आने से निर्देशानुसार अग्नि विधिक कार्यवाही प्रारंभ की जाकर प्रथमतः रिश्वती राशि मांग का गोपनीय सत्यापन करवाने हेतु कार्यालय के श्री कालूराम कानि. नं. 477 की कार्यालय कक्ष में तलबी कर उक्त का परिवादी से परस्पर परिचय करवाकर कार्यालय अलमारी से डिजीटल टेप रिकॉर्डर निकालकर परिवादी एवं श्री कालूराम कानि. को इसे ऑपरेट करने बाबत् समझाईश की जाकर उसे मय डिजीटल टेप रिकॉर्डर के परिवादी श्री भीयाराम के साथ रिश्वती राशि मांग सत्यापन हेतु एसीबी चौकी जालोर से ग्राम सरणाऊ व सांचोर की तरफ रवाना किया गया।

दिनांक 24.03.2022 को बाद दोपहर रिश्वती राशि मांग सत्यापन हेतु परिवादी के साथ गया हुआ कानि. श्री कालूराम नं. 477 मय परिवादी श्री भीयाराम के ब्यूरो कार्यालय पर उपस्थित आया एवं डिजीटल टेप रिकॉर्डर मन् निरीक्षक पुलिस को सुपुर्द कर बताया कि निर्देशानुसार चौकी हाजा से परिवादी श्री भीयाराम के साथ मय डिजीटल टेप रिकॉर्डर के रवाना होकर बस स्टेण्ड जालोर पहुंचे कि परिवादी श्री भीयाराम ने अपने स्तर पर एस.ओ. की मालुमात की तो आज दिनांक 24.03.2022 को बाद दोपहर सांचोर में मिलना ज्ञात हुआ, जिस पर गोपनीयता की दृष्टि हमने रात्रि विश्राम जालोर में किया एवं आज प्रातः जल्दी परिवादी के साथ जालोर से रवाना होकर सांचोर डाक बंगला के पास पहुंचा, जहां परिवादी द्वारा एस.ओ. श्री श्रवण कुमार केशियर से सम्पर्क किया तो उसने कुछ समय बाद डाक बंगला के पास आने का बोला, जिस पर हम दोनों ने कुछ देर तक उसका वहीं इन्तजार किया कि इस दौरान एस. ओ. श्री श्रवणकुमार केशियर दो अन्य व्यक्तियों के साथ अपने निजी वाहन से डाक बंगला के पास पहुंचा, हम दोनों डाक बंगला के अन्दर से अपनी-अपनी उपस्थिति छिपाते हुए उसके आने का इन्तजार कर रहे थे, उसके वाहन को परिवादी पूर्व से पहचानता था, लिहाजा उसके वाहन को देखते ही परिवादी ने मेरे टेप रिकॉर्डर मांगा, जिस पर मैंने डिजीटल वॉयस रिकॉर्डर ऑपरेट करने की समझाईश उसे सुपुर्द कर वहीं डाक बंगला सांचोर के मेन गेट के अन्दर की तरफ छोड़कर मैं अपनी उपस्थित छिपाते हुए वहीं आस-पास परिवादी के आने के इन्तजार में व्यस्त हुआ। करीब आधे घण्टे बाद परिवादी मेरे पास आया व डिजीटल वॉयस रिकॉर्डर मुझे सुपुर्द किया जिसे मैंने देखा तो पूर्व से परिवादी द्वारा स्वीच ऑफ किया हुआ होने से इसे मैंने मेरे पास सुरक्षित रखा, सत्यापन के संबध में पूछने पर परिवादी श्री भीयाराम ने मुझे बताया कि डाक बंगले के आगे श्रवण गोयल केशियर अपने परिचित/दोस्त श्री रिडमलराम ई-मित्र संचालक, ग्राम पंचायत गुन्दाऊ व एक अन्य व्यक्ति के साथ दो अलग-अलग वाहनों से मेरे पास आये। इनके वाहनों को दूर से आता देखकर मैंने टेप रिकॉर्डर ऑन कर मेरे पायजामे की दाहिनी जेब में रख दिया था। मैंने श्री रिडमलराम ई-मित्र संचालक व उसके साथ आये अन्य व्यक्ति की मौजूदगी में ही आरोपी श्री श्रवणकुमार केशियर से मेरे बकाया बिलों का भुगतान कराने के बारे में बातचीत की तो श्रवणकुमार केशियर ने मेरे करीब 41.00 लाख रु. के बकाया बिलों का भुगतान कराने की ऐवज में मेरे से 11.34 लाख रु. रिश्वत की मांग की व उक्त राशि में से कुछ राशि अगले सोमवार-मंगलवार तक व शेष दिनांक 05.04.2022 तक लेना तय कर उक्त राशि अपने साथ मौजूद श्री रिडमलराम ई-मित्र संचालक ग्राम गुन्दाऊ को 2-4 दिनों में देने का कहा, जिस पर ई-मित्र संचालक रिडमलराम ने भी मेरे से राशि लेने की सहमति प्रकट करते हुए कहा कि आप मुझे दे देना, मैं श्रवणजी तक पहुंचा दूंगा। इस पर मैंने जितनी व्यवस्था हो उतने पैसे पहले व बाकी बाद में पहुंचाने की हां कही थी, और उसी अनुरूप मुझे दो-चार दिनों में ही 2.00 लाख रु. की व्यवस्था कर श्री श्रवणकुमार केशियर के लिए उनके कहेनुसार उनके साथ आये श्री रिडमलराम को इसके ई-मित्र की दुकान पर देने हैं। आरोपी से हुई उक्त वार्ता मैंने टेप रिकॉर्डर में रिकॉर्डिंग कर ली हैं। परिवादी द्वारा बताये गये तथ्यों से रिश्वती राशि मांग की पुष्टि होना प्रतीत होने से परिवादी को हमराह लेकर सांचोर से रवाना सुदा ब्यूरो कार्यालय पर उपस्थित आया हूं। हाजिर परिवादी श्री भीयाराम द्वारा कानि. श्री कालूराम नं. 477 द्वारा बताये गये तथ्यों की ताईद की गई। जिस पर डिजीटल वॉयस रिकॉर्डर ऑन कर रिकॉर्डिंग मांग सत्यापन वार्ता सुनी गई तो श्री कालूराम कानि. व परिवादी द्वारा बताए गए तथ्यों की पुष्टि होते हुए आरोपी श्री श्रवणकुमार केशियर द्वारा परिवादी के बकाया बिलों का भुगतान कराने की ऐवज में 11,34,000 रु. रिश्वत की मांग कर कुछ राशि दो-चार दिन यानि अगले सोमवार-मंगलवार तक देने व शेष राशि दिनांक 05.04.2022 तक देने का कहना व उक्त राशि आरोपी द्वारा वक्त सत्यापन अपने साथ मौजूद श्री रिडमलराम ई-मित्र संचालक ग्राम पंचायत गुन्दाऊ को देने का कहना पाया गया। जिस पर रिश्वती राशि मांग सत्यापन संबधित हालात श्रीमान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक को निवेदन किये गये, श्रीमान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक द्वारा बाद विचार-विमर्श दिनांक 28.03.2022 (सोमवार) को आरोपी के विरुद्ध ट्रेप

आयोजन का निर्णय लिया जाकर उक्तानुसार अग्रिम कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया। जिस पर परिवादी श्री भीयाराम को दिनांक 28.03.2022 को आरोपी श्री श्रवणकुमार कौशियर के लिए सह-आरोपी श्री रिडमलराम ई-मित्र संचालक गुन्दाऊ को दी जाने वाली रिश्वती राशि 200,000 रु. की व्यवस्था कर दिनांक 28.03.2022 को प्रातः ब्यूरो कार्यालय जालोर पर उपस्थित होने एवं प्रकरण में पूर्ण गोपनीयता बरतने हेतु पाबन्द कर रूखसत दी गई। परिवादी की रिपोर्ट मय डिजीटल वॉयस रिकॉर्डर कार्यालय मन् निरीक्षक पुलिस के कार्यालय कक्ष की अलमारी में सुरक्षित रखे गये। तत्पश्चात प्रस्तावित ट्रेप कार्यवाही हेतु स्वतन्त्र गवाहान की आवश्यकता होने से श्री विक्रमसिंह कानि. नं. 556 के माध्यम से जरिये तेहरीर कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता, जोधपुर डिस्कॉम जालोर से दो स्वतन्त्र गवाहान श्री विजयसिंह वाणिज्यक सहायक-द्वितीय, कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता, जोधपुर डिस्कॉम जालोर व श्री विनोदकुमार तकनिकी सहायक, कार्यालय सहायक अभियन्ता, नर्मदा जी.एस.एस., जोधपुर डिस्कॉम जालोर की तलबी कर दोनों गवाहान का पूर्ण परिचय प्राप्त कर इन्हें ब्यूरो कार्यालय में बुलाने के मन्तव्य से अवगत करवाकर दिनांक 28.03.2022 को प्रातः पुनः ब्यूरो कार्यालय पर उपस्थित होने हेतु पाबन्द कर रूखसत किया गया।

दिनांक 28.03.2022 को प्रातः नियत समय पर पूर्व हिदायतानुसार दोनों स्वतन्त्र गवाहान व कार्यालय स्टाफ चौकी हाजा पर उपस्थित आये। परिवादी श्री भीयाराम के नियत समय पर उपस्थित नहीं आने से जरिये मोबाईल सम्पर्क किया गया तो परिवादी ने बताया कि आरोपी को दी जाने वाली रिश्वती राशि 2.00 लाख रु. की व्यवस्था नहीं हो पाई है। कल उक्त राशि की व्यवस्था कर ब्यूरो कार्यालय पर उपस्थित हो जाऊंगा। जिस पर परिवादी को गोपनीयता रखते हुए दूसरे दिन दिनांक 29.03.2022 को प्रातः रिश्वती राशि सहित उपस्थित आने हेतु पाबन्द कर उपरोक्त हालात श्रीमान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक को निवेदन किये गये, निर्देशानुसार उक्तानुसार उपस्थित होने हेतु स्वतन्त्र गवाहान को पाबन्द कर फॉरिक किया गया। प्रस्तावित ट्रेप कार्यवाही दिनांक 29.03.2022 को आयोजित करने का निर्णय लिया गया।

दिनांक 29.03.2022 को प्रातः नियत समय पर पूर्व हिदायतानुसार परिवादी श्री भीयाराम, दोनों स्वतन्त्र गवाहान श्री विजयसिंह व श्री विनोदकुमार तथा चौकी स्टाफ कार्यालय हाजा पर उपस्थित आये। पूछने पर परिवादी श्री भीयाराम ने आरोपी को दी जाने वाली रिश्वती राशि 2.00 लाख रु. साथ लेकर आना बताया, जिस पर हाजिर परिवादी श्री भीयाराम से दोनों स्वतन्त्र गवाहान का परस्पर परिचय करवाया गया। परिवादी द्वारा प्रस्तुत प्रार्थना पत्र दोनों गवाहान को पढकर सुनाया गया एवं पढाया गया। रिश्वती राशि मांग सत्यापन वार्ता डिजीटल वॉईस रिकॉर्डर चालू कर रिवर्स/फोरवर्ड कर दोनों गवाहान को सुनाया गया। दोनों गवाहान ने भी परिवादी से विस्तृत पूछताछ कर तसल्ली कर परिवादी के प्रार्थना पत्र पर अपने-अपने हस्ताक्षर करते हुए कार्यवाही में स्वतन्त्र गवाहान बनने की सहमति प्रदान की। समयाभाव की वजह से रिश्वती राशि मांग सत्यापन वार्ता की फर्द ट्रांसक्रिप्ट बाद में बनाने का निर्णय लिया गया।

तत्पश्चात अग्रिम कार्यवाही प्रारंभ की जाकर दोनों गवाहान के रूबरू परिवादी श्री भीयाराम से आरोपी श्रवणकुमार कनिष्ठ सहायक कम कौशियर के लिए आरोपी श्री रिडमलराम ई-मित्र संचालक गुन्दाऊ को रिश्वत में दी जाने वाली राशि 2,00,000 (दो लाख) रूपये पेश करने हेतु कहा जाने पर परिवादी श्री भीयाराम ने आरोपी को रिश्वत में दी जाने वाली राशि भारतीय मुद्रा के 2000-2000 रु. के 100 नोट, कुल राशि 200,000 रु0 मन् निरीक्षक पुलिस को पेश किये। जिनके नंबर निम्नानुसार है :-

1. एक नोट दो हजार रूपये का नम्बरी	5	HQ	470099
2. एक नोट दो हजार रूपये का नम्बरी	1	AF	354931
3. एक नोट दो हजार रूपये का नम्बरी	5	AG	811612
4. एक नोट दो हजार रूपये का नम्बरी	4	BT	315182

5	एक नोट दो हजार रूपये का नम्बरी	9	BQ	094437
6	एक नोट दो हजार रूपये का नम्बरी	6	EC	569972
7	एक नोट दो हजार रूपये का नम्बरी	8	DL	741050
8	एक नोट दो हजार रूपये का नम्बरी	5	NA	464972
9	एक नोट दो हजार रूपये का नम्बरी	8	CN	274717
10	एक नोट दो हजार रूपये का नम्बरी	6	CS	292597
11	एक नोट दो हजार रूपये का नम्बरी	1	CU	045195
12	एक नोट दो हजार रूपये का नम्बरी	3	GP	440938
13	एक नोट दो हजार रूपये का नम्बरी	3	GW	311114
14	एक नोट दो हजार रूपये का नम्बरी	1	CP	334615
15	एक नोट दो हजार रूपये का नम्बरी	5	HU	224645
16	एक नोट दो हजार रूपये का नम्बरी	7	AT	613508
17	एक नोट दो हजार रूपये का नम्बरी	7	BM	496673
18	एक नोट दो हजार रूपये का नम्बरी	9	GK	715646
19	एक नोट दो हजार रूपये का नम्बरी	4	KN	404575
20	एक नोट दो हजार रूपये का नम्बरी	2	BL	563488
21	एक नोट दो हजार रूपये का नम्बरी	9	FF	943536
22	एक नोट दो हजार रूपये का नम्बरी	0	BR	260044
23	एक नोट दो हजार रूपये का नम्बरी	6	BE	867540
24	एक नोट दो हजार रूपये का नम्बरी	1	AN	458913
25	एक नोट दो हजार रूपये का नम्बरी	1	FD	236871
26	एक नोट दो हजार रूपये का नम्बरी	8	CH	348062
27	एक नोट दो हजार रूपये का नम्बरी	6	AQ	059021
28	एक नोट दो हजार रूपये का नम्बरी	3	BC	026519
29	एक नोट दो हजार रूपये का नम्बरी	7	DP	422745
30	एक नोट दो हजार रूपये का नम्बरी	1	DC	604154
31	एक नोट दो हजार रूपये का नम्बरी	9	DH	830100
32	एक नोट दो हजार रूपये का नम्बरी	2	MK	094367
33	एक नोट दो हजार रूपये का नम्बरी	1	MT	125917
34	एक नोट दो हजार रूपये का नम्बरी	4	HS	673544
35	एक नोट दो हजार रूपये का नम्बरी	8	CD	537751
36	एक नोट दो हजार रूपये का नम्बरी	7	ED	652686
37	एक नोट दो हजार रूपये का नम्बरी	9	BC	824556
38	एक नोट दो हजार रूपये का नम्बरी	4	AT	263837
39	एक नोट दो हजार रूपये का नम्बरी	3	AE	988550
40	एक नोट दो हजार रूपये का नम्बरी	8	DW	595658
41	एक नोट दो हजार रूपये का नम्बरी	9	CE	263787
42	एक नोट दो हजार रूपये का नम्बरी	0	LF	826750
43	एक नोट दो हजार रूपये का नम्बरी	9	AN	219602
44	एक नोट दो हजार रूपये का नम्बरी	9	DC	510216
45	एक नोट दो हजार रूपये का नम्बरी	6	FC	968033
46	एक नोट दो हजार रूपये का नम्बरी	5	CT	960728
47	एक नोट दो हजार रूपये का नम्बरी	1	CE	083346
48	एक नोट दो हजार रूपये का नम्बरी	9	CC	399179
49	एक नोट दो हजार रूपये का नम्बरी	8	BH	042281

50	एक नोट दो हजार रूपये का नम्बरी	5	BR	090211
51	एक नोट दो हजार रूपये का नम्बरी	8	GR	897837
52	एक नोट दो हजार रूपये का नम्बरी	6	DM	496344
53	एक नोट दो हजार रूपये का नम्बरी	1	ET	020093
54	एक नोट दो हजार रूपये का नम्बरी	4	EF	170705
55	एक नोट दो हजार रूपये का नम्बरी	2	AV	034117
56	एक नोट दो हजार रूपये का नम्बरी	5	ET	760272
57	एक नोट दो हजार रूपये का नम्बरी	9	GN	137202
58	एक नोट दो हजार रूपये का नम्बरी	5	FW	726865
59	एक नोट दो हजार रूपये का नम्बरी	7	ML	128602
60	एक नोट दो हजार रूपये का नम्बरी	5	HG	641695
61	एक नोट दो हजार रूपये का नम्बरी	9	CW	894317
62	एक नोट दो हजार रूपये का नम्बरी	2	FW	758107
63	एक नोट दो हजार रूपये का नम्बरी	3	AU	250931
64	एक नोट दो हजार रूपये का नम्बरी	8	HV	028472
65	एक नोट दो हजार रूपये का नम्बरी	6	KP	110959
66	एक नोट दो हजार रूपये का नम्बरी	4	KP	753285
67	एक नोट दो हजार रूपये का नम्बरी	1	AS	284051
68	एक नोट दो हजार रूपये का नम्बरी	8	FA	187876
69	एक नोट दो हजार रूपये का नम्बरी	3	BV	024504
70	एक नोट दो हजार रूपये का नम्बरी	7	BA	742839
71	एक नोट दो हजार रूपये का नम्बरी	2	EQ	723688
72	एक नोट दो हजार रूपये का नम्बरी	4	FR	409963
73	एक नोट दो हजार रूपये का नम्बरी	0	LR	337370
74	एक नोट दो हजार रूपये का नम्बरी	8	AF	913512
75	एक नोट दो हजार रूपये का नम्बरी	9	HA	655831
76	एक नोट दो हजार रूपये का नम्बरी	8	ER	259661
77	एक नोट दो हजार रूपये का नम्बरी	3	HQ	173041
78	एक नोट दो हजार रूपये का नम्बरी	7	EG	482859
79	एक नोट दो हजार रूपये का नम्बरी	5	MP	921420
80	एक नोट दो हजार रूपये का नम्बरी	6	MU	387756
81	एक नोट दो हजार रूपये का नम्बरी	2	FP	217046
82	एक नोट दो हजार रूपये का नम्बरी	5	DE	916892
83	एक नोट दो हजार रूपये का नम्बरी	5	AM	370027
84	एक नोट दो हजार रूपये का नम्बरी	0	EC	357677
85	एक नोट दो हजार रूपये का नम्बरी	2	GT	983424
86	एक नोट दो हजार रूपये का नम्बरी	5	AS	578188
87	एक नोट दो हजार रूपये का नम्बरी	4	GN	280391
88	एक नोट दो हजार रूपये का नम्बरी	1	HQ	285142
89	एक नोट दो हजार रूपये का नम्बरी	4	KD	583932
90	एक नोट दो हजार रूपये का नम्बरी	0	CM	520335
91	एक नोट दो हजार रूपये का नम्बरी	7	GL	290146
92	एक नोट दो हजार रूपये का नम्बरी	1	CW	475667
93	एक नोट दो हजार रूपये का नम्बरी	1	FB	916074
94	एक नोट दो हजार रूपये का नम्बरी	6	DE	056502

95	एक नोट दो हजार रुपये का नम्बरी	4	EU	280143
96	एक नोट दो हजार रुपये का नम्बरी	5	AR	631274
97	एक नोट दो हजार रुपये का नम्बरी	1	DK	950757
98	एक नोट दो हजार रुपये का नम्बरी	3	EL	831658
99	एक नोट दो हजार रुपये का नम्बरी	2	BG	925814
100	एक नोट दो हजार रुपये का नम्बरी	5	EB	716938

मालखाना प्रभारी श्री सुखाराम हैड कानि० नं० 96 से फिनोफ्थलीन पाऊडर की शिशि मंगवाई जाकर उपरोक्त सभी नोटों को अखबार पर रखवाकर उक्त राशि के प्रत्येक नोट पर श्री रणवीर मनावत कानि. ड्राईवर नं. 613 से हल्का-हल्का फिनोफ्थलीन पाऊडर लगवाया गया। परिवादी श्री भीयराम की जामा तलाशी गवाह श्री विजयसिंह वाणिज्यक कर सहायक द्वितीय से लिवाई गई तो परिवादी के पास कोई आपत्तिजनक दस्तावेजात व अन्य राशि नहीं रहने दी गई। इसके बाद फिनोफ्थलीन पाऊडरयुक्त 200,000 रूपयों के नोट श्री रणवीर मनावत कानि. ड्राईवर नं. 613 से ही परिवादी के पहने हुये पेन्ट के बायीं साईड की जेब में रखवाये गये। परिवादी को हिदायत दी गई कि वह अपनी जेब में रखे नोटों को हाथ नहीं लगाये तथा आरोपी श्री रिडमलराम द्वारा मांगने पर ही अपनी जेब में से निकालकर उसे देवें। रिश्वती राशि देने के पश्चात एवं पूर्व में आरोपी श्री रिडमलराम से हाथ नहीं मिलायें, यदि अभिवादन करने की आवश्यकता पड़े तो दूर से दोनों हाथ जोड़कर अभिवादन कर ले। आरोपी श्री रिडमलराम रिश्वती राशि प्राप्त करने के पश्चात कहां रखता है, अथवा कहां छुपाता है, का भी ध्यान रखें। परिवादी को हिदायत दी गई कि आरोपी श्री रिडमलराम द्वारा रिश्वती राशि प्राप्त करने के बाद अपने सिर पर दो-तीन बार हाथ फेर कर या अपने मोबाईल से मन् राजेन्द्रसिंह निरीक्षक पुलिस के मोबाईल पर मिस कॉल कर गोपनीय इशारा करे। तत्पश्चात एक कांच की साफ गिलास में साफ पानी भरकर मंगवाया गया। जिसमें एक चम्मच सोडियम कार्बोनेट पाऊडर डालकर घोल तैयार कर गवाहान, परिवादी को दिखाया गया तो सभी हाजरीन ने रंगहीन घोल होना स्वीकार किया। इस रंगहीन घोल में श्री रणवीर मनावत कानि. ड्राईवर नं. 613 के हाथों की अंगुलियों को डुबोकर घुलवाई गई तो घोल का रंग गहरा गुलाबी हो गया जिसे सभी हाजरीन ने घोल का रंग गुलाबी होना स्वीकार किया। सभी हाजरीन को समझाईश की गई कि आरोपी श्री रिडमलराम द्वारा रिश्वती राशि के नोटों को हाथ लगाने और सोडियम कार्बोनेट के घोल में हाथ धुलाने पर घोल का रंग गुलाबी हो जायेगा। फिनोफ्थलीन पाऊडर एवं सोडियम कार्बोनेट के मिश्रण की क्रिया-प्रतिक्रिया व उपयोगिता के बारे में सभी को भली भांति समझाया गया। फिर गिलास के गुलाबी घोल को कार्यालय से बाहर फिंकवाकर गिलास को साफ पानी व साबुन से धुलवा कर रिश्वती राशि के नोटों पर फिनोफ्थलीन पाऊडर लगाने हेतु उपयोग में लिये गये अखबार को जलाकर नष्ट करवाया गया। समस्त ट्रेप पार्टी के सदस्यों, गवाहान के हाथ एवं ट्रेप कार्यवाही हेतु उपयोग में ली जाने वाली सामग्री वगैरहा को भी साफ पानी व साबुन से दो-दो बार धुलवाया गया एवं ट्रेप पार्टी के सदस्यों की आपस में जामा तलाशी लिरवाई जाकर कोई आपत्तिजनक वस्तु एवं राशि आदि नहीं रहने दी गई। मन् राजेन्द्रसिंह निरीक्षक पुलिस ने अपना मोबाईल अपने पास रखा। गवाहान को हिदायत दी गई कि जहां तक संभव हो परिवादी व आरोपी श्रवण के बीच में होने वाली रिश्वती राशि लेन देन व वार्तालाप को देखने व सुनने का प्रयास करें। उक्त कार्यवाही की फर्द पेशकशी रिश्वती राशि एवं दृष्टान्त फिनोफ्थलीन व सोडियम कार्बोनेट पाऊडर एवं सुपुर्दगी रिश्वती राशि मुर्तिब कर इस पर सम्बंधितगणों के हस्ताक्षर करवाकर फर्द शामिल पत्रावली की गई।

तत्पश्चात इस समय तक सम्पादित कार्यवाही हालात श्रीमान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक को निवेदन किये गये। जिस पर प्रस्तावित ट्रेप कार्यवाही के संबध में श्रीमान द्वारा ब्यूरो स्टाफ को ब्रीफिंग की गई, चूंकि एस.ओ. श्री श्रवणकुमार कैशियर के कहेनुसार ग्राम

पंचायत गुन्दाऊ में ई-मित्र संचालक श्री रिडमलराम नामक व्यक्ति को परिवादी द्वारा रिश्वती राशि 2.00 लाख रू. दिए जाने से उक्त श्री रिडमलराम की दस्तियाबी हेतु मन् निरीक्षक पुलिस के साथ परिवादी श्री भीयाराम, दोनों स्वतन्त्र गवाहान श्री विजयसिंह व श्री विनोदकुमार तथा ब्यूरो स्टाफ सर्व श्री सुखाराम हैड कानि. नं. 96, मोहनलाल हैड कानि. 93, गोपाल कानि. 537, श्री कालूराम कानि. 477 मय राजकीय वाहन बोलेरो नं. आर.जे. 147 यूई 0818 मय चालक श्री रणवीर मनावत नं. 613 तथा मन् निरीक्षक पुलिस के निजी वाहन को तथा आरोपी श्री श्रवणकुमार केशियर की दस्तियाबी हेतु श्रीमान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मय श्री सोहनराम कानि. 361 व श्री विक्रमसिंह कानि. 556 मय डिजीटल वॉयस रिकॉर्डर सहित श्री गणेशलाल कानि. चालक नं. 561 को मामुर किया जाकर मुनासिब हिदायत की गई। जिस पर मन् निरीक्षक पुलिस मय मामुरा हमराहियान मय ट्रेप बॉक्स, कार्यालय का लेपटॉप, प्रिन्टर, डिजीटल वॉयस रिकॉर्डर व अन्य आवश्यक सामग्री के रवाना भ्रनिब्यूरो जालोर से गुन्दाऊ को तथा श्रीमान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मय मामुरा जाब्ता रवाना भ्रनिब्यूरो जालोर से सरणाऊ को रवाना हुए। जाब्ता की कमी होने से श्रीमान के निर्देशानुसार ब्यूरो कार्यालय को तालाबन्द किया गया। उपरोक्तानुसार रवाना सुदा मन् निरीक्षक पुलिस मय हमराहियान ग्राम पंचायत गुन्दाऊ में अवस्थित मध्यस्थ आरोपी श्री रिडमलराम के ई-मित्र सेन्टर के पास पहुंचे एवं परिवादी को रिश्वती राशि लेन-देन बाबत् मुनासिब समझाईश कर उक्त से सम्पर्क कर रिश्वती राशि लेन-देन हेतु रवाना करने से पूर्व आरोपी श्री श्रवणकुमार केशियर की निगरानी व दस्तियाबी हेतु मामुरा श्रीमान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मय जाब्ता से मोबाईल सम्पर्क कर आरोपी की मौजूदगी बाबत् मालुमात करने पर श्रीमान द्वारा मय जाब्ता के सहयोग से उक्त की मालुमात कर कुछ समय पश्चात आरोपी श्री श्रवणकुमार की मौजूदगी अपने कार्यालय पंचायत समिति सरणाऊ में होने की जानकारी दी, जिस पर श्रीमान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक से राहबरी प्राप्त रूबरू गवाहान परिवादी श्री भीयाराम को डिजीटल वॉयस रिकॉर्डर ऑन कर सुपुर्द कर मध्यस्थ श्री रिडमलराम से रिश्वती राशि लेन-देन बाबत् सम्पर्क करने हेतु रवाना उक्त के ग्राम पंचायत गुन्दाऊ में स्थित ई-मित्र सेन्टर की तरफ किया गया। मन् निरीक्षक पुलिस मय शेष समस्त हमराहियान परिवादी पर नजर रखते हुए वहीं आस-पास अपनी उपस्थिति छिपाते हुए परिवादी के गोपनीय ईशारे के इन्तजार में व्यस्त हुए।

कुछ समय पश्चात वक्त 11:45 ए.एम. पर मौतबिरान के रूबरू परिवादी श्री भीयाराम प्रोपराईटर मैसर्स श्रवण प्लास्टिक कोटडा ने ग्राम पंचायत गुन्दाऊ के परिसर में अवस्थित आरोपी श्री रिडमलराम के आई माता ई-मित्र सेन्टर के गेट से बाहर आकर पूर्व निर्धारित गोपनीय ईशारा अपने सिर पर दो-तीन बार हाथ फेरकर रिश्वत राशि लेन-देन होने की सूचना दी, जिस पर मन् राजेन्द्रसिंह पुलिस निरीक्षक मय समस्त हमराहियान उक्त आई माता ई-मित्र सेन्टर के आगे गेट पर खड़े परिवादी श्री भीयाराम के पास पहुंच परिवादी से पूर्व में दिया गया डिजीटल वॉयस रिकॉर्डर प्राप्त कर स्वीच ऑफ होना सुनिश्चित कर मन् निरीक्षक पुलिस ने स्वयं की अभिरक्षा में लिया, कि इस दौरान परिवादी ने बताया कि रिडमलराम अन्दर ई-मित्र में बैठा है जिसने मेरे से 2.00 लाख रू. प्राप्त कर अभी अपने हाथों में लिए गिन रहा है। जिस पर परिवादी को हमराह लेकर सभी पंचायत भवन में अवस्थित आई माता ई-मित्र सेन्टर में प्रवेश किया तो सामने टेबल-कुर्सी पर बैठा एक व्यक्ति अपने हाथों में भारतीय मुद्रा 2000-2000 रू. की गड़डी लेकर बैठा हुआ पाया गया, जिसके सामने कुर्सी पर एक अन्य अधेड़ व्यक्ति बैठा हुआ मिला। सामने हाथ में पैसों की गड़डी लिये बैठे व्यक्ति की तरफ ईशारा कर परिवादी ने बताया कि यही रिडमलराम है जिसने श्री श्रवण गोयल केशियर के लिए मेरे से 200 लाख रू. प्राप्त किये जो अभी भी इसके हाथों में ही हैं। जिस पर उक्त व्यक्ति को अपना एवं हमराहियान का परिचय देकर मन्तव्य से अवगत कराते हुए उक्त का परिचय पूछा तो उक्त व्यक्ति ने हड़बड़ाते हुए अपना परिचय श्री रिडमलराम पुत्र श्री नरसीराम, जाति मेगवाल, उम्र 30 वर्ष, निवासी ग्राम गुन्दाऊ, पंचायत समिति सरणाऊ, जिला जालोर, हाल आई माता ई-मित्र संचालक ग्राम गुन्दाऊ, मोबाईल नं. 9829208021 व 9414916321 के रूप में दिया। जिस पर उक्त श्री

रिडमलराम को परिवादी श्री भीयाराम को पहचानने व इससे अभी कुछ देर पहले रिश्वती राशि प्राप्त करने के संबंध में पूछा तो आरोपी ने बताया कि हां, मैं इन्हें पहचानता हूँ ये श्री भीयाराम जाट निवासी कोटड़ा हैं, इन्होंने ग्राम पंचायत गुन्दाऊ में ठेके पर नरेगा कार्य किया था, जिसके पैमेण्ट के सिलसिले में मुझे पंचायत के तत्कालीन ग्रामसेवक व हाल कैशियर पंचायत समिति सरणाऊ श्री श्रवण गोयल के लिए 2.00 लाख रू. दिए थे, जो अभी मेरे हाथों में ही उक्त राशि रखी हुई है। इस राशि से मेरा कोई लेना-देना नहीं है, मैं तो केवल श्री श्रवण गोयल कैशियर के कहने से उसकी मदद मात्र कर रहा हूँ एवं कुछ देर बाद मैं सरणाऊ की तरफ जाने वाला हूँ, जहां उक्त राशि श्रवण गोयल को दे दूंगा। इस पर हाजिर परिवादी श्री भीयाराम ने आरोपी श्री रिडमलराम के कथनों के संबंध में बताया कि मैंने मेरी फर्म मैसर्स श्रवण प्लास्टिक कोटड़ा के नाम से ग्राम पंचायत गुन्दाऊ का टेण्डर वर्ष 2018-19 में प्राप्त कर पंचायत में नरेगा योजना के अन्तर्गत ग्रेवल सड़कों व टांका निर्माण कार्यों में सामग्री सप्लाई की थी। उपरोक्त टेण्डर मैंने ऑनलाईन पंचायत समिति सांचौर से भरा था किन्तु वर्तमान में ग्राम पंचायत गुन्दाऊ नव-सृजित पंचायत समिति सरणाऊ के अन्तर्गत आती है। उपरोक्त कार्य पेटे करीब 41,35,000 रू. (इकतालीस लाख पैंतीस हजार रूपये) के भुगतान हेतु मैंने श्री श्रवण गोयल तत्का. ग्रामसेवक गुन्दाऊ से बिल तैयार करवाकर माह मार्च/2020 में पंचायत समिति सांचौर में लेखा शाखा में जमा करवाये थे। जिसका आज दिन तक मुझे श्री मांगीलाल लेखाकार व इस दौरान पंचायत समिति सांचौर में पदस्थापित विकास अधिकारी श्री तुलसाराम पुरोहित व श्री नारायणसिंह पुरोहित ने कोई भुगतान नहीं किया है। इस हेतु मैंने श्रवण गोयल कैशियर कम तत्का. ग्रामसेवक से कई बार सम्पर्क किया तो हाल ही में कुछ दिन पहले इन्होंने मुझे कहा कि आपके बिल अब पुराने हो गये हैं, इसलिए करीब 12.00 लाख रू. की रिश्वत देनी पड़ेगी, अन्यथा आपका भुगतान नहीं होगा। जिस पर मैं दिनांक 23.03.2022 को एसीबी कार्यालय में श्रवण के विरुद्ध कानूनी कार्यवाही हेतु रिपोर्ट पेश करके दिनांक 24.03.2022 को सांचौर डाक बंगले के आगे श्रवण गोयल कैशियर व श्री रिडमलराम ई-मित्र संचालक से मिला तो वहां मेरे बिलों का भुगतान कराने की ऐवज में श्रवण गोयल ने मेरे से 11.34 लाख रू. रिश्वत की मांग की व उक्त राशि में से कुछ राशि अगले सोमवार-मंगलवार तक व शेष दिनांक 05.04.2022 तक लेना तय कर उक्त राशि अपने साथ मौजूद श्री रिडमलराम ई-मित्र संचालक ग्राम गुन्दाऊ को 2-4 दिनों में देने का कहा, जिस पर ई-मित्र संचालक रिडमलराम ने भी मेरे से राशि लेने की सहमति प्रकट करते हुए कहा कि आप मुझे दे देना, मैं श्रवणजी तक पहुंचा दूंगा। इस पर मैंने जितनी व्यवस्था हो उतने पैसे पहले व बाकी बाद में पहुंचाने की हां कही थी, और उसी अनुरूप आज 2.00 लाख रू. की व्यवस्था कर मैंने श्रवण कैशियर के लिए श्री रिडमलराम को इसके ई-मित्र की दुकान पर अभी कुछ देर पहले दिए तथा इनके कक्ष से निकलकर बाहर आया व गोपनीय ईशारा किया, जिस पर आप लोग आ गये। ये पैसे देकर मैंने रिडमलराम से यह कहा था कि आप उनको यानि श्रवण गोयल कैशियर को फोन करके बोल दो कि पैसे आ गये हैं, तब रिडमलराम ने कहा कि आज वो फोन उठा नहीं रहे हैं, आप चिन्ता मत करो, मैं बोल भी दूंगा और पैसे पहुंचा भी दूंगा। जिस पर आरोपित श्री रिडमलराम को परिवादी के उपरोक्त तथ्यों के संबंध में पुनः पूछा गया तो नजरें नीचे करते हुए कहा कि साहब गलती हो गई है, माफ करो, आईन्दा ऐसी गलती नहीं करूंगा। इस दौरान आरोपी श्री श्रवण गोयल कैशियर की निगरानी व दस्तियाबी हेतु सरणाऊ गये हुए डॉ. महावीरसिंह राणावत मय जाब्ता को उक्त कार्यवाही से जरिये मोबाईल सूचित कर आरोपी श्री श्रवण गोयल कैशियर की दस्तियाबी हेतु निवेदन कर मौके पर आम लोगों की भीड़ एकत्रित होने से अग्रिम कार्यवाही के संबंध में मार्गदर्शन चाहा जाने पर श्रीमान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक द्वारा मौके के नजदीकी पुलिस स्टेशन करड़ा पहुंच अग्रिम कार्यवाही के निर्देश दिए एवं कहा कि आरोपी श्रवण गोयल को दस्तियाब कर हम भी वहीं पहुंच रहे हैं। जिस पर आरोपी श्री रिडमलराम को ढाढ़स बंधाकर अग्रिम कार्यवाही प्रारंभ करते हुए स्वतन्त्र गवाह श्री विजयसिंह वाणिज्यिक सहायक-द्वितीय से आरोपी श्री रिडमलराम के हाथों से राशि प्राप्त कर कमवार चैक करने हेतु कहा जाने पर

गवाहान द्वारा आरोपी श्री रिडमलराम के हाथों में रखी हुई भारतीय मुद्रा के 2000-2000 के नोटों की गड्डी प्राप्त कर गिनती की गई तो 2000-2000 रु. के 100 नोट, कुल राशि 2.00 लाख रु० होने पाये गये। दूसरे स्वतन्त्र गवाह श्री विनोदकुमार तकनिकी सहायक को पूर्व में मुर्तिब सुदा फर्द पेशकशी की प्रति देकर इन नोटों के नंबरों का मिलान करवाया गया तो सभी नोटों के नंबर हुबहु फर्द पेशकशी के मुताबिक पाये जाने से उक्त बरामदा रिश्वती राशि गवाह श्री विजयसिंह वाणिज्यिक सहायक-द्वितीय के पास सुरक्षित रखवाई गई। तत्पश्चात आरोपी श्री रिडमलराम के पास ई-मित्र सेन्टर पर पूर्व से बैठे व्यक्ति का परिचय व सेन्टर पर आने के संबंध में पूछा गया तो उन्होंने अपना परिचय श्री लिखमाराम पुत्र श्री छोगाराम, जाति सुथार, उम्र 61 वर्ष, पैशा खेती-बाडी व मजदूरी, निवासी ग्राम मीरपुरा, तहसील सांचोर, जिला जालोर, मोबाईल नं. 9829751970 के रूप में देते हुए अपने स्वयं की कृषि भूमि के जमाबन्दी हेतु ई-मित्र पर अभी कुछ देर पूर्व आना बताया। जिस पर उक्त श्री लिखमाराम को अभी कुछ समय पूर्व हुई रिश्वती राशि लेन-देन के संबंध में पूछताछ की गई तो श्री लिखमाराम ने बताया कि मैं अभी कुछ देर पहले मेरे खेत की जमाबन्दी हेतु ई-मित्र पर आया कि कुछ देर बाद श्री भीयाराम जाट भी ई-मित्र पर श्री रिडमलराम के पास आये, तो उन्हें देखकर रिडमलराम ने कहा कि भीयाजी कुछ लाये हो या वैसे ही आये हो, तब भीयाराम ने अपनी जेब में से एक 2000-2000 रु. के नोटों की गड्डी निकालकर श्री रिडमलराम के हाथों में दी, जो रिडमलराम ने गिनने हेतु मुझे देनी चाही तो मैंने कहा कि मुझे लेट हो रहा है मैं इतने नोट नहीं गिन सकता हूँ, आप मुझे जमाबन्दी दे दो, इस दौरान भीयाराम ई-मित्र से बाहर गया व कुछ समय बाद आपके साथ ही वापस लौटा है। मुझे कोई जानकारी नहीं है कि ये पैसे किस बात के हैं या इनके बीच का क्या मामला है। किन्तु ये पैसे देकर भीयाराम ने रिडमलराम से यह अवश्य कहा था कि आप उनको फोन करके बोल दो कि पैसे आ गये हैं, तब रिडमलराम ने कहा कि आज वो फोन उठा नहीं रहे हैं, आप चिन्ता मत करो, मैं बोल दूंगा। तत्पश्चात श्रीमान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक के निर्देशानुसार दस्तियाब सुदा आरोपी श्री रिडमलराम के बांये व दांये हाथ को श्री सुखाराम हैड कानि. व श्री कालूराम कानि. से पकडवाकर यथास्थिति में रखने की हिदायत कर आरोपी को हमराह लेकर मन् राजेन्द्रसिंह निरीक्षक पुलिस मय दोनों स्वतन्त्र गवाहान श्री विजयसिंह व श्री विनोदकुमार, ब्यूरो जाब्ता सर्व श्री सुखाराम हैड कानि. 96, मोहनलाल हैड कानि. 93, कालूराम कानि. नं. 477, गोपाल कानि. 437, रणवीर मनावत कानि. चालक जरिये राजकीय बोलेरो व मन् निरीक्षक पुलिस के निजी के मय बरामदा रिश्वती राशि, ट्रेप बॉक्स, कार्यालय का लेपटॉप, प्रिन्टर, डिजीटल वॉयस रिकॉर्डर व अन्य आवश्यक सामग्री के परिवादी श्री भीयाराम व अन्य व्यक्ति श्री लिखमाराम को हमराह लेकर ई-मित्र सेन्टर को तालाबन्द करवाकर घटनास्थल से रवाना होकर पुलिस थाना करड़ा पंहुचा। इस दौरान बीच रास्ते में आरोपी श्री श्रवण गोयल कैशियर को पंचायत समिति सरणाऊ से दस्तियाब कर हमराह लेकर पुलिस थाना करड़ा की तरफ रवाना होने की सूचना जरिये मोबाईल श्रीमान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक द्वारा मन् निरीक्षक पुलिस को दी गई। कुछ देर बाद श्रीमान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मय जाब्ता दस्तियाब सुदा आरोपी, श्री श्रवण गोयल कैशियर को हमराह लेकर पुलिस थाना करड़ा पंहुचे। दस्तियाब सुदा दोनों आरोपितों को यथास्थिति में एस.एच.ओ. कार्यालय कक्ष में लाया गया, जिनसे श्रीमान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक द्वारा पृथक-पृथक पूछताछ की गई। तत्पश्चात श्रीमान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ने मन् टी.एल.ओ. को कार्यालय का दूसरा डिजीटल वॉयस रिकॉर्डर सुपुर्द कर बताया कि दस्तियाबी के पश्चात आरोपी श्री श्रवण गोयल कैशियर द्वारा वक्त पूछताछ परिवादी श्री भीयाराम के बिल श्री मांगीलाल विश्नोई लेखाकार, पंचायत समिति सांचोर के पास पैण्डिंग होने व उसके द्वारा परिवादी से उक्त बकाया बिल पारित करवाने की ऐवज में 11.34 लाख रु. रिश्वत की मांग कर प्रथम किश्त के रूप में 2.00 लाख रु. उक्त श्री मांगीलाल लेखाकार के लिए मांगकर प्राप्त करना बताया जाने पर दस्तियाब सुदा श्री श्रवण गोयल कैशियर के वॉट्सऐप नं. 9413563377 से श्री मांगीलाल विश्नोई लेखाकार, पंचायत समिति सांचोर के वॉट्सऐप नं. 8560862929 से वक्त 12:35 पी.एम. वार्ता करवाकर

उक्त वार्ता की इस डिजीटल वॉयस रिकॉर्डर में रिकॉर्डिंग की गई तो श्री मांगीलाल कनिष्ठ लेखाकार से वार्ता के दौरान भीयाराम के आने व आप (मांगीलाल) द्वारा कही गई बात भीयाराम से करने व उससे 2.00 लाख रू. प्राप्त करने व बकाया राशि पैमेण्ट के बाद प्राप्त होने के बारे में श्री श्रवण गोयल द्वारा बताने पर श्री मांगीलाल ने श्रवण गोयल को कहा कि वो आया है तो ठीक है उस मामले में आपके सिवाय मैं कदम ही नहीं भरूंगा, मेरा भीयाराम से कोई कॉन्टेक्ट नहीं है, मेरे लिये तो आप ही हो सब कुछ, इत्यादि वार्ता करते हुए परिवादी से रिश्वती राशि प्राप्त करने में स्वयं द्वारा आरोपी श्री श्रवण गोयल को अधिकृत करने व श्री गोयल के कहेनुसार दो-चार दिनों में परिवादी का कार्य करने में सहमति जाहिर करना पाया जाने से उक्त श्री मांगीलाल लेखाकार की अपराध में संलिप्तता होना स्पष्ट है। उक्त वॉट्सएप कॉलिंग वार्ता का स्क्रीन शॉट लिया जाकर उसका प्रिन्टआउट लेकर इस पर संबंधितगण के हस्ताक्षर करवाकर शामिल पत्रावली किया गया एवं रिकॉर्डिंग वार्ता की फर्द ट्रांसक्रिप्ट बनाने का निर्णय लिया जाकर डिजीटल वॉयस रिकॉर्डर मन् निरीक्षक पुलिस द्वारा स्वयं की सुरक्षित अभिरक्षा में रखा गया। आरोपी श्री मांगीलाल विश्नोई कनिष्ठ लेखाकार के संबध में श्रीमान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक द्वारा उच्च अफसरान से राहबरी प्राप्त कर श्री मांगीलाल कनिष्ठ लेखाकार की दस्तियाबी हेतु वृताधिकारी वृत्त सांचोर को जरिये मोबाईल निर्देशित किया गया, तथा श्री मांगीलाल से हुई वार्ता की फर्द ट्रांसक्रिप्ट मुर्तिब करने का निर्णय लिया गया। साथ ही आरोपीगण श्री श्रवण गोयल कैशियर व श्री रिडमलराम के पास मौजूद क्रमशः दो व एक मोबाईल इनसे प्राप्त कर स्वतन्त्र गवाह श्री विनोदकुमार तकनिकी सहायक के पास सुरक्षित रखवाये गये। तत्पश्चात परिवादी, दोनों गवाहान व सह आरोपी रिडमलराम ई-मित्र संचालक की उपस्थिति में अग्रिम कार्यवाही प्रारंभ की जाकर श्रीमान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक द्वारा दस्तियाब कर लाये गये आरोपी श्री श्रवण गोयल कैशियर को मन्तव्य से अवगत करवाकर नाम, पता व उसके लिए आरोपी श्री रिडमलराम द्वारा परिवादी श्री भीयाराम से प्राप्त रिश्वती राशि के संबध में पूछताछ की गई तो श्री श्रवण गोयल कैशियर ने श्रीमान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक द्वारा बताए गए तथ्यों की पुष्टि करते हुए कहा कि परिवादी श्री भीयाराम की फर्म मैसर्स श्रवण प्लास्टिक द्वारा ग्राम पंचायत गुन्दाऊ में कार्य कराते समय मेरे पास उक्त पंचायत के ग्रामसेवक का चार्ज था, इसलिए मैंने इनके द्वारा तैयार बिलों पर मेरे हस्ताक्षर कर दिये थे, मेरे स्तर पर इनका कोई कार्य बकाया नहीं है, परिवादी के कार्य के समय ग्राम पंचायत गुन्दाऊ पंचायत समिति सांचोर का भाग थी, इसलिए परिवादी के बिल वर्तमान में श्री मांगीलाल विश्नोई कनिष्ठ लेखाकार (अकाउण्टेंट) पंचायत समिति सांचोर के पास पैण्डिंग हैं, उससे बिल पास कराने हेतु परिवादी ने मेरे से कहा तो मैंने इस संबध में कुछ दिन पूर्व श्री मांगीलाल से मिलकर बात की तो उसने परिवादी के बिल पास करने की ऐवज में 12.00 लाख रू. रिश्वत की मांग की, जो बात मैंने परिवादी को बताकर 12.00 लाख रू. की मांग की एवं उसमें से तय प्रथम किश्त के 2.00 रू. आज मैंने श्री मांगीलाल कनिष्ठ लेखाकार के लिए मेरे मिलने वाले श्री रिडमलराम आई माता ई-मित्र सेन्टर गुन्दाऊ को परिवादी से दिलवाई थी। मेरा इस राशि में कोई हिस्सा नहीं है, श्री मांगीलाल लेखाकार को ही पता है कि इसमें किस-किस का हिस्सा है, मेरी गलती हो गई है, माफ करें। तत्पश्चात आरोपी श्री रिडमलराम के हाथ धोवन की कार्यवाही प्रारंभ कर कांच की दो साफ गिलासों में साफ पीने का पानी मंगवाया जाकर इस पानी में एक-एक चम्मच सोडियम कार्बोनेट पाऊडर डालकर घोल तैयार किया गया तो घोल का रंग अपरिवर्तित रहा, जिसे सभी हाजरीन ने स्वीकार किया। उक्त रंगहीन घोल के एक गिलास में श्री रिडमलराम के बांये हाथ की अंगुलियों को डुबोकर धुलवाया गया तो घोल का रंग परिवर्तित होकर हल्का झाँईदार रंग हो गया। जिसे सभी हाजरीनों ने हल्का झाँईदार रंग होना स्वीकार किया। उक्त घोल को कांच की दो साफ शीशीयों में आधा-आधा भर सील मोहर कर चेपों पर सम्बंधित के हस्ताक्षर करवाकर मार्क एल.एच.-1 व एल.एच.-2 अंकित किया गया। इसी प्रकार तैयार घोल के दूसरे गिलास में आरोपी श्री रिडमलराम के दाहिने हाथ की अंगुलियों को डुबोकर धुलवाया गया तो घोल का रंग हल्का झाँईदार हो गया जिसे सभी हाजरीनों ने रंग

झाईदार होना स्वीकार किया। उक्त घोल को भी पूर्ववत् कांच की दो साफ शीशियों में आधा-आधा भर कर सील मोहर कर चेपों पर सम्बंधित के हस्ताक्षर करवाकर मार्क आर.एच.-1 व आर.एच.-2 अंकित किया गया। फिर स्वतन्त्र गवाहान श्री विजयसिंह कार्यालय सहायक-द्वितीय जिसके पास बरामदा रिश्वती राशि पूर्व में सुरक्षार्थ रखवाई गई थी, को इनसे प्राप्त कर दूसरे स्वतन्त्र गवाह श्री विनोदकुमार तकनिकी सहायक से पुनः गिनवाए गए तो 2000-2000 रू० के 100 नोट कुल राशि 200,0000 रू० होने पाये गये। स्वतन्त्र गवाह श्री विजयसिंह को पूर्व में मुर्तिब सुदा फर्द पेशकशी की प्रति देकर एक बार पुनः उक्त नोटों के नम्बरों का मिलान फर्द पेशकशी से करवाया गया तो सभी नोटों के नंबर हुबहु फर्द पेशकशी के मुताबिक पाये गये। उक्त राशि को एक कपड़े की थेली में शील्ड बन्द कर उस पर सम्बंधितगणों के हस्ताक्षर करवाये जाकर कब्जा ब्यूरो लिये गये। ब्यूरो के डिजीटल वॉयस रिकॉर्डर में रिकॉर्ड रिश्वती राशि वक्त लेन-देन वार्तालाप सुना गया तो लेन-देन वार्तालाप रिकॉर्डिंग होना पाया गया, जिसकी फर्द ट्रांसक्रिप्ट पृथक से मुर्तिब होगी। तत्पश्चात स्वतन्त्र गवाह श्री विनोदकुमार तकनिकी सहायक के पास पूर्व में सुरक्षित रखवाए आरोपितों के मोबाईल्स प्राप्त कर रूबरू गवाहान इनके मोबाईल्स का अवलोकन किया गया तो आरोपी श्री रिडमलराम के पास रेडमी कंपनी का एक मोबाईल जिसमें ड्यूल सिम नं. 9829208021 व 9414916321 लगी हुई, जिसके ई.एम.ई.आई. नं. क्रमशः 86311804249654 व 86311804249662 होने पाये गये। इसी प्रकार आरोपी श्री श्रवण गोयल कैशियर के पास दो मोबाईल जिसमें से एक एप्पल कंपनी का व दूसरा विवो कंपनी का पाया गया। दोनों मोबाईल्स का क्रमवार अवलोकन किया गया तो एप्पल कंपनी के मोबाईल में 9680743377 व विवो कंपनी के मोबाईल में सिम नं. 9413563377 होना पाया गया, इस विवो कंपनी के मोबाईल में एक अन्य जीयो कंपनी की सिम नं. 9358376877 लगी हुई हैं, जिसके संबध में आरोपित ने बताया कि यह सिम लम्बे समय बन्द होने से मेरे द्वारा वर्तमान में उपयोग में नहीं ली जा रही हैं। एप्पल कंपनी के मोबाईल के दो ई.एम.आई.नं. क्रमशः 353839105079887 व 353839105079988 तथा विवो कंपनी के मोबाईल के दो ई.एम.आई.नं. क्रमशः 869329057689559 व 869329057689542 होना पाया गया। दोनों आरोपितों की परस्पर व आरोपी श्री श्रवण गोयल की आरोपी श्री मांगीलाल विश्नोई लेखाकार से सिम एंव वॉट्सएप के जरिये परस्पर वार्ता होने के कारण दोनों आरोपितों के उक्त तीनों मोबाईल्स की कॉल लॉग व मैसेजेज आदि के संबध में अनुसंधान हेतु वांछित होने से उक्त तीनों मोबाईल्स मय इनके अन्दर लगी सिम के जब्त कर वास्ते अग्रिम अनुसंधान खुली हालत में रखे गये। आरोपी श्री रिडमलराम के मोबाईल से पूर्व फिंगर लॉक हटवाकर अन लॉक करवाया गया, आरोपी श्री श्रवण गोयल के एप्पल मोबाईल के पासवर्ड 900007 हैं, जबकि श्री श्रवण गोयल का विवो मोबाईल स्वयं के फिंगर प्रिन्ट से खुलता है, इसे अनलॉक करने के लिए वांछित पासवर्ड आरोपी को याद नहीं होने से उक्त मोबाईल आरोपी की गैर मौजूदगी में पुनः अनलॉक नहीं करवाया जा सकेगा। श्री मांगीलाल कनिष्ठ लेखाकार से परिवादी श्री भीयाराम के भुगतान संबधित (वर्क पैण्डेसी दस्तावेज) के संबध में आरोपी श्री श्रवण गोयल कैशियर से पूछा गया तो इन्होंने उक्त दस्तावेजात भुगतान कार्यवाही हेतु श्री मांगीलाल विश्नोई कनिष्ठ लेखाकार (अकाउण्टेंट), पंचायत समिति सांचोर की अभिरक्षा में उनके कार्यालय (लेखा शाखा) में होना बताया। जो प्राप्त कर शामिल पत्रावली करने का निर्णय लिया गया। कार्यवाही के दौरान वृताधिकारी, वृत सांचोर ने श्री मांगीलाल विश्नोई कनिष्ठ लेखाकार (अकाउण्टेंट), पंचायत समिति सांचोर की उनके कार्यालय व निवास तथा अन्य हर संभावित स्थानों पर तलाश करने के बावजूद नहीं मिलना जरिये मोबाईल अवगत करवाया, लिहाजा उक्त का पक्ष पत्रावली पर नहीं लिया गया। आरोपी श्री श्रवण गोयल के आवासीय घर के बारे में उक्त से मालुमात की गई तो ग्राम लाछड़ी, तहसील सांचोर, जिला जालोर के पुश्तैनी घर में अपने माता-पिता एंव भाई आदि के साथ संयुक्त परिवार में निवास करना व काफी समय होने से उक्त के संबध में उनके घर पर ट्रेप कार्यवाही की जानकारी होने एंव आरोपी के अल्प वेतन भोगी होने से सम्पत्ति संबधी साक्ष्य मिलने की संभावना नहीं के दृष्टिगत आरोपी के आवासीय निवास की खाना

तलाशी लिये जाने का कोई औचित्य प्रतीत नहीं होने से खाना तलाशी नहीं लिये जाने का निर्णय लिया गया। इस ट्रेप कार्यवाही से सम्बंधित हालात ब्यूरो के उच्च अफसरान व विकास अधिकारी सांचोर, अतिरिक्त चार्ज सरणाऊ को निवेदन किए गए। वक्त घटना ई-मित्र पर मौजूद अन्य व्यक्ति श्री लिखमाराम सुथार के संबध में श्रीमान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक के माध्यम से उच्च अफसरान से राहबरी प्राप्त कर आईन्दा वक्त जरूरत तलबी पर ब्यूरो के समक्ष उपस्थित होने हेतु पाबन्द कर रूखसत दी गई। उक्त कार्यवाही की फर्द बरामदगी रिश्वती एवं हाथ धुलाई आरोपी श्री रिडमलराम मुर्तिब कर इस पर सम्बंधितगणों के हस्ताक्षर करवाये जाकर फर्द शामिल रनिंग नोट की गई। उपरोक्त कार्यवाही के दौरान राजकीय चिकित्सालय करड़ा से लेब स्टाफ की थाना हाजा पर तलबी करवाकर दस्तियाब सुदा आरोपीगण श्री श्रवण गोयल कैशियर व श्री रिडमलराम ई-मित्र संचालक का कोविड-19 परीक्षण करवाया जाकर एम.ओ. साहब से रिपोर्ट अतिशीघ्र उपलब्ध कराने का आग्रह किया गया। इस दौरान कार्यवाही संबधित आवश्यक निर्देश प्रदान कर डॉ. महावीरसिंह राणावत अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मय श्री विक्रमसिंह कानि. 556 जरिये निजी वाहन एवं चालक श्री गणेशलाल के कैम्प कार्यालय पी.एस. करड़ा से फॉरिक होकर ए.सी.बी. कार्यालय जालोर के लिए प्रस्थान हुए।

तत्पश्चात रूबरू मौतबिरान परिवादी श्री भीयाराम की निशांदेही में बरामदगी/घटनास्थल का मौका निरीक्षण कर फर्द नक्शा नजरी व हालात मौका मुर्तिब कर संबधितान के हस्ताक्षर करवाए गए। कार्यवाही के दौरान परिवादी श्री भीयाराम के बकाया भुगतान संबधित बिल-बाउचर्स (घर्क पैण्डेसी) पत्रावली की प्रमाणित फोटो प्राप्त की गई। परिवादी श्री भीयाराम की आरोपी श्री श्रवण गोयल कैशियर व सह-आरोपी श्री रिडमलराम ई-मित्र संचालक के साथ दिनांक 24.03.2022 को रूबरू हुई रिश्वती राशि मांग सत्यापन की वार्ता जो कार्यालय के डिजीटल वॉईस रिकॉर्डर में रिकॉर्ड हैं। उक्त वार्ता को रूबरू मौतबिरान एवं परिवादी श्री भीयाराम के सुन-सुन कर शब्द-बशब्द फर्द ट्रांसक्रिप्ट रिश्वती राशि मांग सत्यापन वार्तालाप मुर्तिब कर शामिल पत्रावली की गई। वार्तालाप की कार्यालय के लेपटॉप के माध्यम से दो सी. डी. तैयार कर एक को मूल मानते हुये कपडे की थेली में डालकर सील मोहर कर फर्द व थेली पर सम्बंधितगणों के हस्ताक्षर करवाये जाकर सीडी की सील्डयुक्त थेली पर मार्क "D" अंकित किया गया, एवं दूसरी सी.डी. को डब मानते हुये खुली रखी गई। आरोपी श्री श्रवण गोयल कैशियर व सह-आरोपी श्री रिडमलराम ई-मित्र संचालक तथा स्वयं के आवाज की पहचान परिवादी श्री भीयाराम द्वारा की गई।

प्रकरण हाजा में सम्पादित उपरोक्त कार्यवाही से आरोपीगण श्री श्रवण गोयल कनिष्ठ सहायक कम कैशियर, पंचायत समिति सरणाऊ, जिला जालोर व श्री रिडमलराम पुत्र श्री नरसीराम, जाति मेगवाल, उम्र 30 वर्ष, निवासी ग्राम गुन्दाऊ, पंचायत समिति सरणाऊ, जिला जालोर, हाल आई माता ई-मित्र संचालक ग्राम गुन्दाऊ के प्रथम दृष्टिया अपराध अन्तर्गत धारा 7, 7ए भ्रष्टाचार निवारण (संशोधन) अधिनियम 2018 व 120बी भा.दं.सं. प्रमाणित पाया जाने से हर दोनों आरोपितों को उनके द्वारा किए गए जुर्म से आगाह कर इन्हें ट्रेपकर्ता अधिकारी के नाम, पदनाम से अवगत करवाकर अन्तर्गत धारा 41 सी0आर0पी0सी0 के प्रावधानों के तहत दिनांक 30.03.2022 को जरिये फर्द गिरफ्तार किया जाकर हर दोनों आरोपितों की फर्द गिरफ्तारी पृथक-पृथक मुर्तिब की जाकर फर्दाता पर संबधितगणों के हस्ताक्षर करवाकर शामिल पत्रावली की गई। तत्पश्चात गिरफ्तार सुदा आरोपीगण श्री श्रवण गोयल कैशियर व श्री रिडमलराम ई-मित्र संचालक, परिवादी श्री भीयाराम व दोनों गवाहान श्री विजयसिंह व श्री विनोदकुमार को हमराह लेकर मन् राजेन्द्रसिंह निरीक्षक पुलिस मय ब्यूरो जाब्ता सर्व श्री सुखाराम हैड कानि. नं. 96, मोहनलाल हैड कानि. 93, सोहनराम कानि. 361, गोपाल कानि. 537, श्री कालूराम कानि. 477 मय राजकीय वाहन बोलेरो नं. आर.जे. 147 यूई 0818 मय चालक श्री रणवीर मनावत नं. 613 तथा मन् निरीक्षक पुलिस के निजी वाहन से मय ट्रेप बॉक्स, कार्यालय का लेपटॉप, प्रिन्टर, डिजीटल वॉयस रिकॉर्डर एवं आवश्यक सामग्री, तथा कार्यवाही के दौरान जब्त रिश्वती राशि 200,000 रू0 शील्ड सुदा, धोवन की शीशियां मार्क आर.एच.-1, आर.

एच.-2, एल.एच.-1, एल.एच.-2, जब्त सुदा मोबाईल्स, रिश्वती राशि मांग-सत्यापन वार्ता की मूल व डब सीडियां, मुर्तिबा फर्दात एवं प्राप्त दस्तावेजात इत्यादि के पुलिस थाना करड़ा से रवाना होकर राजकीय चिकित्सालय जालोर पंधुच दोनों आरोपित श्री श्रवण गोयल कैशियर व श्री रिडमलराम ई-मित्र संचालक का बारी-बारी से स्वास्थ्य परीक्षण करवाकर रिपोर्ट्स प्राप्त करी गई, वक्त मेडिकल एम.ओ. साहब द्वारा दोनों आरोपितों को स्वस्थ बताया गया। आरोपितों की मेडिकल रिपोर्ट्स प्राप्त कर शामिल पत्रावली की गई। तत्पश्चात मय समस्त हमराहियान के दोनों आरोपितों को हमराह पुलिस थाना कोतवाली जालोर दोनों आरोपित श्री श्रवण गोयल कैशियर व श्री रिडमलराम ई-मित्र संचालक को जरिये तेहरीर रात्रि सुरक्षार्थ पुलिस थाना कोतवाली की हवालात में जमा करवाकर प्राप्ति रसीद प्राप्त कर शामिल पत्रावली की गई। तत्पश्चात मय समस्त हमराहियान के रवाना होकर ए.सी.बी. ओ.पी. जालोर पंधुच प्रकरण हाजा का मालखाना आईटम्स मुताबिक फर्दात के यथा कार्यवाही के दौरान जब्त रिश्वती राशि 200,000 रु० शील्ड सुदा, धोवन की शीशियां मार्क आर.एच.-1, आर.एच.-2, एल.एच.-1, एल.एच.-2, जब्त सुदा मोबाईल्स, रिश्वती राशि मांग-सत्यापन वार्ता की मूल व डब सीडियां इत्यादि मालखाना प्रभारी श्री सुखाराम हैड कानि. 96 को सुपुर्द कर जमा मालखाना करवाये गये। परिवादी श्री भीयाराम, दोनों गवाहान श्री विजयसिंह व श्री विनोदकुमार तथा ब्यूरो जाब्ता को प्रातः 08:00 ए.एम. पर पुनः ब्यूरो कार्यालय पर उपस्थित होने हेतु पाबन्द कर विश्राम व दैनिक दिनचर्या बाबत् फॉरिक किया गया।

दिनांक 30.03.2022 को प्रातः नियत परिवादी श्री भीयाराम, दोनों गवाहान श्री विजयसिंह व श्री विनोदकुमार तथा ब्यूरो जाब्ता माफिक निर्देश ब्यूरो कार्यालय पर उपस्थित आये। जिस पर अग्रिम कार्यवाही प्रारंभ की जाकर प्रकरण हाजा में वक्त लेन-देन वार्ता तथा आरोपी श्री श्रवण गोयल कैशियर व आरोपी श्री मांगीलाल विश्नोई कनिष्ठ लेखाकार की वॉट्सऐप कॉलिंग वार्ता की फर्द ट्रांसक्रिप्टस तैयार करनी शेष होने से परिवादी श्री भीयाराम तथा दोनों स्वतन्त्र गवाहान श्री विजयसिंह व श्री विनोदकुमार की मौजूदगी में प्रथमतः परिवादी श्री भीयाराम एवं आरोपी श्री रिडमलराम ई-मित्र संचालक के मध्य दिनांक 29.03.2022 को रूबरू हुई रिश्वती राशि लेन-देन की वार्ता जो कार्यालय के डिजीटल वॉयस रिकॉर्डर में रिकॉर्ड थी, को सुन-सुन कर शब्द-बशब्द फर्द ट्रांसक्रिप्ट रिश्वती राशि लेन-देन वार्तालाप मुर्तिब कर शामिल पत्रावली की गई। वार्तालाप की कार्यालय के कम्प्युटर के माध्यम से दो सी. डी. तैयार कर एक को मूल मानते हुये कपडे की थेली में डालकर सील मोहर कर थेली व फर्द पर सम्बंधितगणों के हस्ताक्षर करवाये जाकर सील्डयुक्त थेली पर मार्क "L" अंकित किया गया, एवं दूसरी सी.डी. को डब मानते हुये खुली रखी गई। आरोपी श्री रिडमलराम ई-मित्र संचालक व स्वयं के आवाज की पहचान परिवादी श्री भीयाराम द्वारा की गई। तत्पश्चात उक्तानुसार दोनों मौतबिरान व आरोपी श्री श्रवण गोयल कैशियर व श्री विक्रमसिंह कानि. 556 की मौजूदगी में आरोपी श्री श्रवण गोयल कैशियर के वॉट्सऐप नं. 9413563377 से श्री मांगीलाल विश्नोई कनिष्ठ लेखाकार, पंचायत समिति सांचोर के वॉट्सऐप नं. 8560862929 पर दिनांक 29.03.2022 वक्त 12:35 पी.एम. पर श्रीमान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक द्वारा करवाई गई वॉट्सऐप कॉलिंग वार्ता जो श्रीमान द्वारा कार्यालय के डिजीटल वॉयस रिकॉर्डर में रिकॉर्डिंग करवाई गई थी, उक्त वार्ता को डिजीटल वॉयस रिकॉर्डर से सुन-सुन कर शब्द-बशब्द फर्द ट्रांसक्रिप्ट वॉट्सऐप कॉलिंग वार्तालाप वॉट्सऐप नं. 9413563377 (आरोपी श्री श्रवण गोयल) से वॉट्सऐप नं. 8560862929 (आरोपी श्री मांगीलाल विश्नोई) पर मुर्तिब कर शामिल पत्रावली की गई। वार्तालाप की कार्यालय के कम्प्युटर के माध्यम से दो सी. डी. तैयार कर एक को मूल मानते हुये कपडे की थेली में डालकर सील मोहर कर थेली व फर्द पर सम्बंधितगणों के हस्ताक्षर करवाये जाकर सील्डयुक्त थेली पर मार्क "W" अंकित किया गया, एवं दूसरी सी.डी. को डब मानते हुये खुली रखी गई। वार्ता के दौरान आरोपी श्री श्रवण गोयल कैशियर द्वारा स्वयं व आरोपी श्री मांगीलाल कनिष्ठ लेखाकार के आवाज की पहचान की गई। साथ ही उक्त वार्ता की डिजीटल वॉयस रिकॉर्डर में रिकॉर्डिंग करने वाले कानि. श्री विक्रमसिंह द्वारा आरोपी श्री श्रवण गोयल कनिष्ठ

लेखाकार के आवाज की पहचान भी पृथक से की गई। तत्पश्चात आरोपितों को पुलिस थाना कोतवाली जालोर से प्राप्त कर एसीबी ओपी पर लेकर आये, आरोपी श्री श्रवण गोयल कैशियर की मौजूदगी में उक्त के जब्त सुदा मोबाईल से श्री सुभाष बैदा व श्री जितेशकुमार सूचना सहायकगण, जिला कार्यालय सूचना प्रौद्योगिकी और संचार विभाग जालोर के सहयोग से संदिग्ध नंबरों से संबधित मोबाईल डाटा की सीडी मुर्तिब की गई। गिरफ्तार सुदा दोनों आरोपितों को आज के रोज माननीय विशिष्ठ न्यायालय, भ्र.नि.अ. पाली के समक्ष प्रस्तुत किया जायेगा एवं आरोपितों के संबध में माननीय न्यायालय द्वारा प्रदत्त किये जाने वाले आदेशों की पालना होगी।

उपरोक्त हालात से आरोपी श्री श्रवण गोयल पुत्र श्री आसूलाल, जाति मेगवाल, उम्र 36 वर्ष, पैशा सरकारी नौकरी, निवासी ग्राम लाछड़ी, तहसील सांचोर, जिला जालोर, हाल कनिष्ठ सहायक, पंचायत समिति सांचोर, हाल प्रतिनियुक्त कनिष्ठ लिपिक कम कैशियर, पंचायत समिति सरणाऊ, जिला जालोर व श्री मांगीलाल पुत्र श्री विरधाराम, जाति विश्नोई, निवासी काछेला, तहसील चितलवाना, जिला जालोर, हाल कनिष्ठ लेखाकार, पंचायत समिति सांचोर, जिला जालोर एवं अन्य ने लोकसेवक होते हुए अपने-अपने पद का दुरुपयोग कर आपस में मिलीभगत कर परिवादी श्री भीयाराम प्रोपराईटर मैसर्स श्रवण प्लास्टिक कोटड़ा द्वारा जरिये नियमानुसार टैण्डर के वित्तीय वर्ष 2018-19 में ग्राम पंचायत गुन्दाऊ के नरेगा ग्रेवल सड़क निर्माण व व्यक्तिगत टांका निर्माण कार्यों की सामग्री सप्लाई के बिल राशि 41,07,889 रु. को लम्बे समय से अटकाकर परिवादी से उक्त बिल पारित करने की ऐवज में आरोपी श्री श्रवण गोयल द्वारा दिनांक 24.03.2022 को 11.34 लाख रु. रिश्वती राशि की मांग कर उक्त रिश्वती राशि में से 2.00 लाख रु. अगले सोमवार-मंगलवार यानि कि 28 व 29 मार्च/2022 तक व शेष राशि दिनांक 05.04.2022 तक लेना तय कर उक्त राशि वक्त सत्यापन अपने साथ मौजूद श्री रिडमलराम ई-मित्र संचालक ग्राम पंचायत गुन्दाऊ को 2-4 दिनों में देने का कहना, जिस पर ई-मित्र संचालक रिडमलराम द्वारा भी परिवादी से रिश्वती राशि लेने की सहमति प्रकट करते हुए आरोपितों के लिए परिवादी से रिश्वती राशि प्राप्त कर आरोपी तक पहुंचाने हेतु तैयार होकर उसी अनुरूप आरोपी श्री रिडमलराम द्वारा वक्त लेनदेन दिनांक 29.03.2022 को ग्राम पंचायत गुन्दाऊ में स्थित अपने स्वयं के आई माता ई-मित्र सेन्टर पर परिवादी श्री भीयाराम से अन्य आरोपितों के लिए 2.00 लाख रु. रिश्वती राशि प्राप्त करते हुए को रंगे हाथों गिरफ्तार करने, वक्त कार्यवाही आरोपी श्रवण गोयल से हुई वॉटसऐप कॉलिंग वार्ता के दौरान आरोपी श्री मांगीलाल विश्नोई कनिष्ठ लेखाकार द्वारा उक्त राशि परिवादी से प्राप्त करने हेतु आरोपी श्री श्रवण गोयल कैशियर कम तत्कालीन ग्रामसेवक ग्राम पंचायत गुन्दाऊ को अधिकृत करने एवं बाद परिवादी के बिल पारित करने की सहमति प्रकट करने, परिवादी के बकाया बिलों की पत्रावली श्री मांगीलाल कनिष्ठ लेखाकार की अभिरक्षा से प्राप्त होने, श्री मांगीलाल विश्नोई कनिष्ठ लिपिक द्वारा दिनांक 19.05.2020 से परिवादी की उक्त बिल-बाउचर्स पत्रावली पर कोई कार्यवाही नहीं कर अपने स्तर पर रिश्वती राशि प्राप्ति के उद्देश्य से अपने पास दबाए रखना, किसी अधिकारी के समक्ष पेश नहीं करना इत्यादि साक्ष्यों से आरोपितगण सर्व श्री श्रवण गोयल कैशियर, श्री मांगीलाल विश्नोई कनिष्ठ लेखाकार, श्री रिडमलराम ई-मित्र संचालक (प्राईवेट व्यक्ति) एवं अन्य के विरुद्ध अन्तर्गत धारा 7, 7ए भ्रष्टाचार निवारण (संशोधन) अधिनियम 2018 व 120बी भा.दं.सं. का जुर्म घटित होना प्रथम दृष्टिया प्रमाणित पाया गया है।

अतः आरोपीगण श्री श्रवण गोयल पुत्र श्री आसूलाल, जाति मेगवाल, उम्र 36 वर्ष, पैशा सरकारी नौकरी, निवासी ग्राम लाछड़ी, तहसील सांचोर, जिला जालोर, हाल कनिष्ठ सहायक, पंचायत समिति सांचोर, हाल प्रतिनियुक्त कनिष्ठ लिपिक कम कैशियर, पंचायत समिति सरणाऊ, जिला जालोर, श्री रिडमलराम पुत्र श्री नरसीराम, जाति मेगवाल, उम्र 30 वर्ष, निवासी ग्राम गुन्दाऊ, पंचायत समिति सरणाऊ, जिला जालोर, हाल आई माता ई-मित्र संचालक ग्राम

गुन्दाऊ, तहसील सांचोर, जिला जालोर, श्री मांगीलाल पुत्र श्री विरधाराम, जाति विश्णोई, निवासी काछेला, तहसील चितलवाना, जिला जालोर, हाल कनिष्ठ लेखाकार, पंचायत समिति सांचोर, जिला जालोर एवं अन्य के विरुद्ध अन्तर्गत जुर्म धारा 7, 7ए भ्रष्टाचार निवारण (संशोधन) अधिनियम 2018 व 120बी भा.दं.सं. में बिना नम्बरी प्रथम सूचना रिपोर्ट कता की जाकर कर्मांकन हेतु प्रेषित कर निवेदन है कि अपराध दर्ज कर अग्रिम अनुसंधान के आदेश फरमावें।

भवदीय

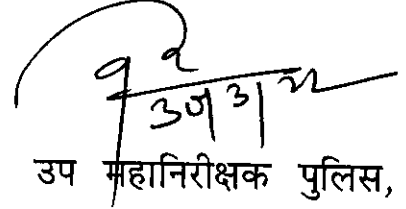


(राजेन्द्रसिंह)

निरीक्षक पुलिस,
भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो,
जालोर

कार्यवाही पुलिस

प्रमाणित किया जाता है कि उपरोक्त टाईप शुदा बिना नम्बरी प्रथम सूचना रिपोर्ट श्री राजेन्द्र सिंह, पुलिस निरीक्षक, भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो, जालोर ने प्रेषित की है। मजमून रिपोर्ट से जुर्म अन्तर्गत धारा 7, 7ए भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988(यथा संशोधित 2018) एवं 120बी भादंस में अभियुक्तगण 1. श्री श्रवण गोयल, कनिष्ठ सहायक, पंचायत समिति सांचोर हाल प्रतिनियुक्त कनिष्ठ लिपिक कम कौशियर, पंचायत समिति सरनाऊ, जिला जालोर, 2. श्री रिङ्गमलराम, पुत्र नरसीराम निवासी ग्राम गुन्दाऊ, पंचायत समिति सरणाऊ जिला जालोर हाल आई माता ई-मित्र संचालक, ग्राम गुन्दाऊ, तहसील सांचोर जिला जालोर व 3. श्री मांगीलाल, कनिष्ठ लेखाकार, पंचायत समिति सांचोर, जिला जालोर एवं अन्य के विरुद्ध घटित होना पाया जाता है। अतः अपराध संख्या 103/2022 उपरोक्त धाराओं में दर्ज कर प्रथम सूचना रिपोर्ट की प्रतियाँ नियमानुसार कता कर तफ्तीश जारी है।



उप महानिरीक्षक पुलिस,
भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो, जयपुर।

कमांक: 911-16 दिनांक 30.03.2022

प्रतिलिपि:-सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित है।

1. विशिष्ट न्यायाधीश एवं सेशन न्यायालय, भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, पाली।
2. अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस, भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो, जयपुर।
3. निदेशक, कोष एवं लेखा, निदेशालय, वित्त भवन जयपुर।
4. मुख्य कार्यकारी अधिकारी, जिला परिषद जालोर।
5. उप महानिरीक्षक पुलिस, भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो, जोधपुर।
6. अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो, जालोर।



उप महानिरीक्षक पुलिस,
भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो, जयपुर।

प्रथम सूचना रिपोर्ट

{ अन्तर्गत धारा 154 दण्ड प्रक्रिया सहित }

1. जिला-भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो, जालोर, थाना:-एसीबी सीपीएस जयपुर, वर्ष 2022
प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या.....103/22..... दिनांक.....30/3/22.....
2. (1) अधिनियम भ्रष्टाचार निवारण (संशोधन) अधिनियम 2018, धारा 7, 7ए
(2) अधिनियम भारतीय दण्ड संहिता धाराये:- 120बी
(3) अधिनियम-..... धाराये :-.....-.....
(4) अन्य अधिनियम व धारायें :--.....
3. (अ) रोजनामचा आम रपट संख्या.....568..... समय.....6:45 PM
(ब) अपराध के घटने का दिन :-मंगलवार, दिनांक 29.03.2022, समय 11:45 ए.एम.
(स) थाना पर सूचना प्राप्त होने का दिनांक :- 23.03.2022 समय 04:30 पी.एम.,
4. सूचना की किस्म :- कम्प्युटराईज्ड टाईप सुदा,
5. घटनास्थल :-
(अ) पुलिस थाना से दिशा व दूरी:-चौकी से बदिश दक्षिण-पश्चिम बफासला करीब 120 कि.मी. दूर।
(ब) पता :- ग्राम पंचायत (आई माता ई-मित्र सेन्टर) गुन्दाऊ, तहसील सांचोर, जिला जालोर,
(स) यदि इस पुलिस थाना से बाहरी सीमा का है तो :- नहीं
6. परिवादी/सूचनाकर्ता :-
1. श्री भीयाराम पुत्र श्री करनाराम, जाति जाट, उम्र 56 वर्ष, पैशा ठेकेदारी, निवासी ग्राम कोटड़ा, तहसील रानीवाड़ा, जिला जालोर, हाल प्रोपराईटर मैसर्स श्रवण प्लास्टिक कोटड़ा, तहसील सांचोर, जिला जालोर।
7. ज्ञात/अज्ञात संदिग्ध अभियुक्तों का ब्यौरा विशिष्टियों सहित :-
1. श्री श्रवण गोयल पुत्र श्री आसूलाल, जाति मेगवाल, उम्र 36 वर्ष, पैशा सरकारी नौकरी, निवासी ग्राम लाछड़ी, तहसील सांचोर, जिला जालोर, हाल कनिष्ठ सहायक, पंचायत समिति सांचोर, हाल प्रतिनियुक्त कनिष्ठ लिपिक कम कैशियर, पंचायत समिति सरणाऊ, जिला जालोर।
2. श्री रिडमलराम पुत्र श्री नरसीराम, जाति मेगवाल, उम्र 30 वर्ष, निवासी ग्राम गुन्दाऊ, पंचायत समिति सरणाऊ, जिला जालोर, हाल आई माता ई-मित्र संचालक ग्राम गुन्दाऊ, तहसील सांचोर, जिला जालोर।
3. श्री मांगीलाल पुत्र श्री विरधाराम, जाति विश्नोई, निवासी काछेला, तहसील चितलवाना, जिला जालोर, हाल कनिष्ठ लेखाकार, पंचायत समिति सांचोर, जिला जालोर।
4. एवं अन्य।